हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 25 | देहरादून, बुधवार, 13 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

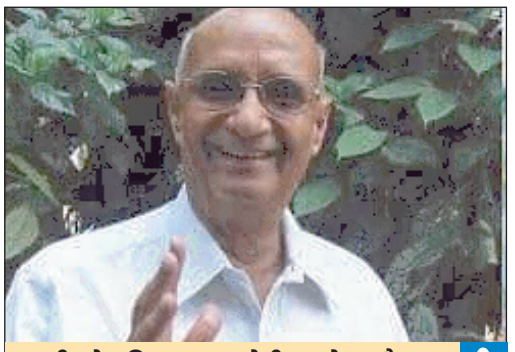

नहीं रहे प्रसिद्ध समाजसेवी अवधेश कौशल
मुख्यमंत्री धामी ने जताया शोक

2

नई शिक्षा नीति लागू, देश का बना पहला राज्य बना उत्तराखंड : सीएम

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में आज से नई शिक्षा नीति लागू कर दी गई है. राज्य में सर्वप्रथम विद्यालयी शिक्षा के अंतर्गत प्राइमरी एजुकेशन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को शुरू किया गया है. विद्यालयी शिक्षा विभाग ने इसकी तैयारी पहले ही पूरी कर ली थी. शिक्षा महानिदेशालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाल वाटिका का उद्घाटन कर सूबे में नई शिक्षा नीति का औपचारिक रूप से विधिवत शुभारंभ किया.

देश का बना पहला राज्य: इसके साथ ही उत्तराखंड एनईपी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है. राज्य के समस्त जनपदों में विकासखंड स्तर पर चिन्हित को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केन्द्रों में वृहद रूप से बालवाटिकाओं का क्षेत्रीय विधायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उद्घाटन किया. जिसमें शिक्षाविद, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं शामिल होंगे.शिक्षा मंत्री ने क्या कहा:

शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य में बीस हजार से अधिक आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं. जिसमें से प्रथम चरण में शिक्षा विभाग के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में संचालित पांच हजार आंगनबाड़ी केन्द्रों में एनईपी के तहत बालवाटिका कक्षाओं का संचालन शुरू किया जायेगा. उन्होंने बताया कि सूबे में 20 हजार 67 आंगनबाड़ी केन्द्र स्वीकृत हैं, जिसमें से 20 हजार 17 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं, जिनमें 14,555 आंगनबाड़ी वर्कर्स तैनात हैं...

नई शिक्षा नीति 2020: भारत सरकार ने नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 आरंभ की है. जिसके अंतर्गत सरकार ने एजुकेशन पॉलिसी में काफी सारे मुख्य बदलाव किए हैं. नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के माध्यम से भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना है. अब मानव संसाधन प्रबंधन मंत्रालय शिक्षा मंत्रालय के नाम से जाना जाता है. नेशनल एजुकेशन पालिसी के अंतर्गत 2030 तक स्कूली शिक्षा में 100% जी ई आर के साथ पूर्व विद्यालय से माध्यमिक विद्यालय तक शिक्षा का सार्वभौमीकरण किया जाएगा पहले 10+2 का पैटर्न फॉलो किया जाता था. परंतु अब नई शिक्षा नीति के अंतर्गत 5+3+3+4 का पैटर्न फॉलो किया जाएगा.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति नौनिहालों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेगी : पुष्कर सिंह धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निदेशालय माध्यमिक शिक्षा, ननूरखेड़ा में 'बाल वाटिका कक्षा' का शुभारम्भ किया। बाल वाटिका के शुभारम्भ के साथ ही उत्तराखण्ड राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की शुरूआत करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय भवन का लोकार्पण एवं एस.सी.ई.आर.टी भवन का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बच्चों में उद्यमिता के विकास के लिए कौशलम् पुस्तक एवं कैरियर कार्ड का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि इस क्षेत्र के जिन आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थिति जीर्ण-शीर्ण हो रही है, उनकी मरम्मत की जायेगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों को नरेन्द्र मोदी के राजनीतिक जीवन पर आधारित पुस्तक 'मोदी @ 20 : ड्रीम्स मीट डिलीवरी' सौंपी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 को 2030 तक पूरी तरह लागू करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत बाल वाटिका के शुभारम्भ करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एक नया क्रान्तिकारी परिवर्तन है। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा नीति नौनिहालों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेगी। यह शिक्षा नीति भारतीय सनातन ज्ञान और विचार की समृद्ध परंपरा के आलोक में तैयार की गई है, जो प्रत्येक व्यक्ति में निहित रचनात्मक क्षमताओं के विकास पर विशेष जोर देती है। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षकों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चों को सबसे पहले संस्कार माता-पिता से मिलते हैं, उसके बाद उनके व्यक्तित्व निर्माण में पूरी भूमिका शिक्षकों की होती है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 को 2030 तक पूरी तरह लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग से अपेक्षा की है कि विभाग द्वारा 2025 तक शिक्षा के क्षेत्र में कुछ ऐसे कार्य किये जाएं, जो देश में एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत हों। उन्होंने कहा कि सभी विभागों को लक्ष्य दिया गया है कि 2025 में जब उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती मनाएगा, सभी विभाग अपनी कुछ विशेष उपलब्धियां धरातल पर दिखाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार विकल्प रहित संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं स्कूलों में आज से बालवाटिका का शुभारम्भ किया गया है। यह कार्यक्रम आज प्रदेश के सभी विकासखण्डों में भी आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्पराओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। योग, वेद, पुराणों, स्थानीय बोलियों एवं संस्कृत आधारित शिक्षा पर इसके तहत विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्राइवेट स्कूलों में जो पढ़ाई नर्सरी में होती थी, अब वही पढ़ाई आंगनबाड़ी एवं सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को दी जायेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के पास सिर्फ पढ़ाने का कार्य हो, इसके लिए शिक्षा विभाग में सभी अन्य व्यवस्थाएं ऑनलाईन की जा रही हैं। उत्तराखण्ड में एक साल के अन्दर विद्या समीक्षा केन्द्र बनाये जायेंगे। अगले साल से स्कूलों में अंक सुधार परीक्षा का आयोजन भी किया जायेगा।

इस अवसर पर विधायक उमेश शर्मा काऊ, महानिदेशक शिक्षा वंशीधर तिवारी, अपर सचिव शिक्षा दीप्ति सिंह, निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ. आर. के. कुंवर, निदेशक अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण सीमा जौनसारी, निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा वंदना गर्ब्याल, शिक्षा विभाग एवं महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे

नहीं रहे प्रसिद्ध समाजसेवी अवधेश कौशल
मुख्यमंत्री धामी ने जताया शोक

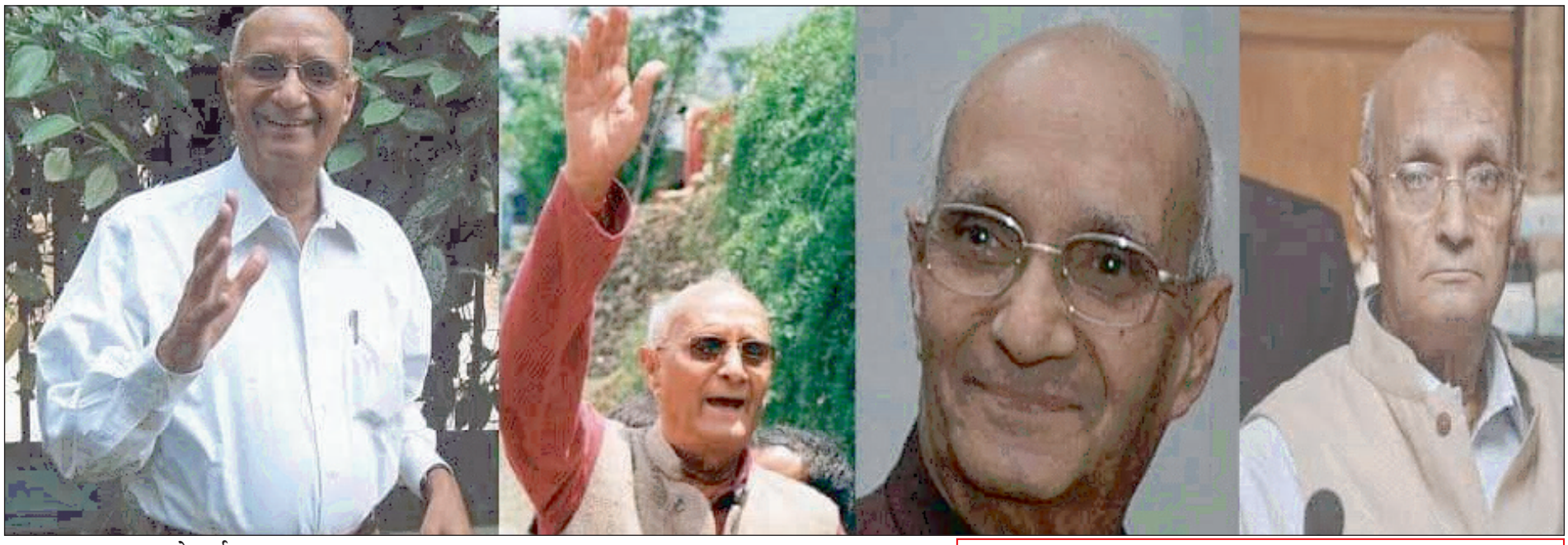

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दून के मैक्स हॉस्पिटल में पद्मश्री अवधेश कौशल का मंगलवार की सुबह निधन हो गया। काफी लंबे समय से उनका स्वास्थ्य खराब चल रहा था। जिस कारण उन्होंने आज सुबह के पांच बजे अंतिम सांस ली। कौशल की पुत्रवधू रुचि कौशल ने बताया कि वह लंबे समय से बीमार थे और सोमवार से उनके अंगों ने काम करना बंद कर दिया था, 86 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता पद्मश्री अवधेश कौशल के निधन पर समाज के कई वर्गों ने दुख प्रकट किया।

कौन थे पद्मश्री अवधेश कौशल ?

दिवंगत अवधेश कौशल एक मशहूर एनजीओ के संस्थापक, और एक सामाजिक कार्यकर्ता थे। जिन्हें भारत सरकार द्वारा कई नीति समीक्षा कार्यों पर नियुक्त किया गया था। कौशल ने कई वर्षों तक मसूरी में प्रसिद्ध सिविल सेवकों की अकादमी में लोक प्रशासन पढ़ाया। हाल ही में उन्हें ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना नरेगा की निगरानी के लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा नियुक्त किया गया था। 2005 में, कौशल को फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी द्वारा संचालित एकल विद्यालयों के कामकाज की समीक्षा करने के लिए नियुक्त किया गया था, और आदिवासी क्षेत्रों में नफरत फैलाने वाले एकल विद्यालयों पर उनकी रिपोर्ट के बाद, एमएचआरडी ने ऐसे स्कूलों के वित्त पोषण को वापस ले लिया। वह पद्मश्री पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं। उनका एक एनजीओ है जिसका नाम RLEK है। श्री अवधेश कौशल को द वीक मैगजीन द्वारा वर्ष 2003 के लिए मैन ऑफ द ईयर नामित किया गया था

जीवट जीवन जीने वाले पद्म श्री अवधेश कौशल सरकारों की कार्यप्रणाली के खिलाफ काफी मुखर रहते थे। नारायण दत्त तिवारी काल में उन्होंने प्रदेश के सबसे करप्ट नौकरशाहों को चिन्हित करने के लिए जनता की राय के बाद बेईमान अधिकारी चिन्हित कर राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी थी। 80 के दशक में दून-मसूरी के बीच लम्बे समय से चल रही चूना भट्टा खदानों को बंद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अवधेश कौशल रुलेक संस्था के जरिये शिक्षा, पर्यावरण आदि सामाजिक कार्य कर रहे थे।भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले कौशल कुछ वर्ष पूर्व उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्रियों को आवास सहित दी जाने वाली अन्य सुविधाओं पर होने वाले व्यय की वसूली के लिए उत्तराखंड उच्च न्यायालय तक गए थे।

Pushkar Singh Dhami @pu... · 34s

सामाजिक हितों को लेकर सदैव संघर्षशील रहे प्रसिद्ध समाजसेवी पद्मश्री से अलंकृत श्री अवधेश कौशल जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ।

ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

ॐ शांति: शांति: शांति:

18 जुलाई से महंगे हो जाएंगे डेयरी प्रोडक्ट, अब AMUL और Mother Dairy करेंगे ये काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इस महीने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण (Nirmala Sitharaman) की अध्यक्षता में हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक हुए बैठक में सरकार ने डेयरी प्रोडक्ट समेत कई ऐसी वस्तुओं पर GST लगाने का फैसला किया है,आने वाले दिनों में डेयरी प्रोडक्ट (Dairy Products) की कीमतों में इजाफा देखने को मिल सकता है. इस वजह से कई प्रोडक्ट की कीमतों में 18 जुलाई के बाद से बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है. जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद एक रेवेन्यू सेक्रेटरी तरुण बजाज ने कहा था कि GST की नई दरें 18 जुलाई से लागू हो जाएंगी.जिस कारण काफी पैकेजिंग कंपनियों को तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में डेयरी और सॉफ्ट ड्रिंक्स बेचने वाली कंपनियां प्लास्टिक स्ट्रॉ के साथ ही अपने छोटे प्रोडक्ट बेच रही थीं. उन्हें भी तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है अब इसकी जगह उन्हें पेपर स्ट्रॉ का इस्तेमाल करना पड़ रहा है, जो उनकी लागत को बढ़ा रहा है. ऐसे में GST में शामिल हुए प्रोडक्ट की वजह से कीमतें बढ़ाते वक्त कंपनियां पेपर स्ट्रॉ के चलते बढ़ी लागत को भी कवर कर सकती हैं.

जो आइटम GST के दायरे से बाहर थे उन्हे भी इस बार दायरे में शामिल कर लिया है. जिससे 18 जुलाई से टेट्रा पैक वाले दही, लस्सी और बटर मिल्क पर 5 फीसदी की दर से GST लगेगा. इस वजह से इन प्रोडक्ट की कीमतें बढ़ सकती हैं. हालांकि, अमूल (AMUL) और मदर डेयरी (Mother Dairy), जो ये प्रोडक्ट बनाती हैं, उनकी ओर से इसे लेकर अभी तक किसी भी तरह का ऐलान नहीं किया गया है.टेट्रा पैक एक प्रकार का पैकिंग कार्टन है, जो तरल खाद्य पदार्थों को खराब होने से बचाता है. इस पैकिंग के सहारे ही कंपनियां तमाम तरह के तरल खाद्य पदार्थ बेचती हैं. इसमें लंबे समय तक प्रोडक्ट खराब नहीं होता.

दही-लस्सी के अलावा कई और प्रोडक्ट की भी 18 जुलाई से बढ़ सकती है कीमत। महंगे हो सकते हैं घरों में इस्तेमाल होने वाली कई और चीजें। एलईडी लाइट्स और लैंप पर लगने वाली GST को 12 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसदी कर दिया गया है. इस वजह आने वाले दिनों में एलईडी लाइट्स की कीमतें भी बढ़ सकती हैं. ब्लेड, पेपर कैंची, पेंसिल शार्पनर, चम्मच, कांटे वाले चम्मच, स्किमर्सल और केक-सर्विस आदि पर अब 18 फीसदी की दर से GST वसूला जाएगा. पहले इन वस्तुओं पर 12 फीसदी GST लगता था.

ये सर्विस भी हो सकती हैं महंगी

डेयरी प्रोडक्ट के साथ साथ सर्विस भी हो सकती है महंगाई। अस्पतालों में 5,000 रुपये (गैर-आईसीयू) से अधिक रेंट वाले रूम पर अब पांच फीसदी GST देना होगा. साथ ही होटलों में 1,000 रुपये प्रति दिन से कम किराए वाले कमरे पर 12 फीसदी GST देना होगा. अभी तक ये GST के दायरे से बाहर थे. चेक बुक जारी किए जाने पर बैंकों की तरफ से लिए जाने वाले फीस पर अब 18 फीसदी GST लगेगा.

किसान के मोबाइल में उसके खेत और फसल की हर जानकारी होनी चाहिए : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सूचना तकनीक के माध्यम से किसानों को काफी फायदा पहुंचाया जा सकता है। किसान के मोबाइल में उसके खेत और फसल से संबंधित हर जानकारी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने पतंजलि द्वारा विकसित हरित क्रांति एप को पायलट आधार पर उपयोग किये जाने के निर्देश दिये। सचिवालय स्थित विश्वकर्मा भवन के वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पतंजलि के आचार्य बालकृष्ण ने प्रस्तुतिकरण दिया।

मुख्यमंत्री ने सचिव कृषि की अध्यक्षता में समिति बनाने के निर्देश दिये। यह समिति इस बात की सम्भावना देखेगी कि पतंजलि द्वारा विशेष तौर पर भू अभिलेखों व खेती से संबंधित जानकारियों के डिजिटलीकरण के लिए किये गये कार्य उत्तराखंड के विभिन्न विभागों के लिए किस प्रकार उपयोगी हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता को सरकारी योजनाओं से तभी फायदा पहुंचाया जा सकता है जब सारी जरूरी प्रक्रिया सरल हों, गैर जरूरी औपचारिकताएं न हों। लोगों की संतुष्टि जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार और संस्थानों के परस्पर सहयोग से प्रदेश को आगे बढ़ाया जा सकता है। पतंजलि के शोध कार्यों से उत्तराखंड को लाभ मिले, इसके लिए राज्य सरकार व पतंजलि परस्पर सहयोग से काम करेंगे। हमें डाटा शेयरिंग की सम्भावना भी देखनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पतंजलि के हरित क्रांति एप को पायलट आधार पर उपयोग किया जाएगा। किसानों के लिए फायदेमंद होने पर इसे बडे स्तर पर उपयोग किया जा सकता है। पतंजलि के आचार्य बालकृष्ण ने प्रस्तुतिकरण देते हुए पतंजलि द्वारा किये गये शोध कार्यों व खेती संबंधी जानकारी के डिजिटलीकरण के लिए विकसित किये गये एप हरित क्रांति एप की विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनंद वर्धन, सचिव शैलेश बगौली, नितेश झा, डॉ बी वी आर सी पुरुषोत्तम सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ऋषिकेश को बनाएंगे सुन्दर और आकर्षक : डॉ आर राजेश कुमार, डीएम देहरादून

डीएम दून की अपील , पब्लिक कंसल्टेशन पोर्टल पर बताइये कैसा हो आपका ऋषिकेश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विश्व में योग की राजधानी के तौर पर विख्यात तपस्थली और गंगा की नगरी ऋषिकेश जल्द एक नए और अद्भुत स्वरुप में नज़र आने वाली है। न जाम का झाम होगा , न ट्रैफिक का शोर होगा और न ही बेतरतीब बिखरे बाज़ार की भीड़ होगी ... राज्य सरकार की मंशा को समझते हुए देहरादून के अनुभवी जिलाधिकारी ने इसके लिए पूरा मास्टर प्लान विभागों को समझा दिया है।

ऋषिकेश के शहरी बुनियादी ढांचे को विकसित करने के संबंध में जिलाधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार की अध्यक्षता में कार्यदायी संस्था उत्तराखण्ड अर्बन सैक्टर डेवलपमेन्ट एंजेसी (यू.यू.एस.डी.ए) एवं संबंधित विभागों

के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इस दौरान कार्यक्रम निदेशक यू.यू.एस.डी.ए ने जिलाधिकारी को ऋषिकेश के शहरी बुनियादी ढांचे यथा वाटर सप्लाई, सेनिटेशन, यातायात, ड्रेनेज, पार्किंग आदि को विकसित करने हेतु बनायी गयी कार्य योजना की प्रजेन्टेशन के माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी ।

बैठक में जिलाधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार ने संबंधित कार्यदायी संस्था यू.यू.एस.डी.ए के अधिकारियों को ऋषिकेश के विकास हेतु तैयार की गई कार्य योजना के लिए पहले स्टैक होल्डस, स्थानीय जनप्रतिनिधि, निवासी आदि से भी सुझाव लेने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए उन्होंने पब्लिक कंसल्टेशन पोर्टल बनाकर उसमें जनमानस से सुझाव एवं जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिये। डीएम राजेश कुमार ने कहा कि पोर्टल वेबसाइट के बारे में समाचार पत्र में प्रचार प्रसार करे। उन्होने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को कार्य योजना के संबंध में स्टैक होल्डस एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर सुझाव प्राप्त करने के भी निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने कहा कि योजना को धरातल पर उतारने के लिए चरणबद्ध तरीके से योजना बनाकर कार्य करें। साथ ही कहा कि सुगम एवं व्यवहारिक कार्य को प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। जिससे स्थानीय जनमानस को लाभ मिल सकें। उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्माणधीन साइट पर जाकर वस्तुस्थिति से अवगत होने तथा योजनाएं को संबधित क्षेत्र की आवश्यकता एवं उपयोगिता के अनुसार बनाए जाने के निर्देश दिए ताकि योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ वहां के निवासियों को मिलें। उन्होंने यू.यू.एस.डी.ए के अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के संबंध में संबंधित यूजर एजेंसी/विभाग से बैठक कर योजनाओं के व्यवहारिक उपयोग की समीक्षा करें। डीएम डॉ आर राजेश कुमार ने ये भी कहा कि योजनाओं के कार्यों को स्टैप वाईस बांटते हुए लक्ष्य निर्धारित करें ताकि धरातल पर कार्य दिखें और जनमानस को निर्माण कार्यों के दौरान परेशानियों का सामना न करने पड़े। बैठक में पुलिस अधीक्षक यातायात अक्षय कोंडे, कार्यक्रम निदेशक यू.यू.एस.डी.ए विनय मिश्रा, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी अरविन्द पाण्डेय, सहायक अभियन्ता राष्ट्रीय राजमार्ग लोनिवि डोईवाला शिव सिंह रावत एवं यू.यू.एस.डी.ए के अधिकारियों सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अपनी हालत के लिए कांग्रेस खुद ज़िम्मेदार: जोत सिंह बिष्ट

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आम आदमी पार्टी प्रदेश कार्यालय में आप प्रदेश के संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होने कहा कि उत्तराखंड में आपसी झगड़ों में उलझी हुई कांग्रेस 2017 और 2022 की चुनावी हार के बाद भी सबक लेकर सुधारने को तैयार नहीं है।उत्तराखंड में कांग्रेस की इस हालत के लिए कोई और नहीं बल्कि खुद उत्तराखंड के कांग्रेस के नेता जिम्मेदार हैं। इस अंतर्कलह से, पार्टी में लगातार उपेक्षा से पीड़ित होकर अपने जीवन के 45 महत्वपूर्ण साल तक कांग्रेस की सेवा करने वाले डॉक्टर आर पी रतूड़ी जी, तीन दशक से महिला कांग्रेस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली कमलेश रमन और कांग्रेस के एक बड़े नेता को कई सालों तक सोशल मीडिया पर चमकाने वाले आई टी विशेषज्ञ कुलदीप चौधरी ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर के आम आदमी पार्टी में शामिल होने का फैसला लिया।

उन्होने आगे कहा कि कांग्रेस से मोह भंग होने के बाद उत्तराखंड में इन तीनों वरिष्ठ नेताओं के सामने अपने हितों की रक्षा के लिए अपने व्यक्तिगत फायदे के लिए विकल्प के रूप में सत्ताधारी दल की सदस्यता ग्रहण करने का था लेकिन हमारे इन तीनों साथियों ने अपने व्यक्तिगत हितों को पीछे रखते हुए जनहित के मुद्दों के लिए संघर्ष करने का रास्ता चुना। इन्होंने उत्तराखंड की जनविरोधी भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के खिलाफ लड़ने का मन बनाया।उन्होने आगे कहा कि भाजपा की वर्तमान सरकार ने अपने बजट डॉक्यूएमेन्ट में राज्य की आर्थिक स्थिति का जो उल्लेख किया है वह वास्तव में चिंताजनक है। राज्य की कांग्रेस और भाजपा की सरकारों ने इन 22 सालों में राज्य पर 85000 करोड़ के कर्ज का बोझ लाद दिया है, जो अगले साल तक एक लाख करोड़ रुपये हो जाएगा और उत्तराखंड का प्रत्येक व्यक्ति 85 हजार का कर्जदार हो जाएगा, जबकि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार देश में एकमात्र सरकार है जिसके बेहतर आर्थिक प्रवंधन के कारण दिल्ली सरकार की आय उसके कुल ख़र्च से 7000 करोड़ ज्यादा है और दिल्ली सरकार देश मे एकमात्र सरकार है जिसने घाटे का नहीं बल्कि फायदे का याने सरप्लस बजट पेश किया है।

उन्होने कहा कि इस फायदे के बजट का राज है दिल्ली सरकार की कट्टर ईमानदारी , दूरगामी सोच के साथ काम करने की नीति। जिम्मेदारी से और समय से काम करने की प्रतिबद्धता। इसी बात को समझ कर, दिल्ली सरकार के विश्व स्तरीय शिक्षा के मॉडल, स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन, गरीबों, मजदूरों और महिलाओं के हितों की रक्षा की योजनाओं से प्रभावित हो कर संघर्ष का रास्ता चुना और आम आदमी पार्टी में शामिल होने का फैसला किया।कल जब डा0 रतूड़ी, कमलेश जी व कुलदीप जी ने सोशल मीडिया पर कांग्रेस का दामन छोड़ने की पोस्ट डाली तो कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व की पांत में शामिल सभी नेताओं ने बजाय इसके कि वह इन लोगों को आम आदमी पार्टी में शामिल होने से रोकने के लिए बेहतर प्रयास करते सब नेता हरक सिंह के आवास पर इकट्ठा हुए और हंसी खुशी के माहौल में गपशप करने के बाद जब मीडिया से मुखातिब हुए तो उन्होंने जिस तरह से कांग्रेस संगठन की निष्क्रियता को मीडिया के सामने उजागर करने के साथ-साथ पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर आरोप लगाए ,वह अपने आप में यह समझने के लिए काफी है कि कांग्रेस के नेता पूरी तरह से गैर जिम्मेदार होकर पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित करने में मशगूल हैं, उनका अपमान कर रहे हैं और यह केवल उत्तराखंड में नहीं बल्कि राष्ट्रीय नेतृत्व में इसी लाइन पर आगे बढ़ रहा है इसी का परिणाम है कि केवल उत्तराखंड में ही नहीं बल्कि पूरे देश में लोग लगातार कांग्रेस से किनारा कर रहे हैं।

फिल्मकारों के लिए बड़ी खबर : उत्तराखंड में खुलेगी फिल्म सिटी : अभिनव कुमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित सभागार में विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार ने सूचना विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में फिल्म सिटी के लिए भूमि का चयन कर लिया जाए और इसमें फिल्म उद्योग से सम्बन्धित अवस्थापना विकास के लिए कार्ययोजना बना लें तथा फिल्म सिटी में फिल्म शूटिंग एवं प्रोडक्शन से सम्बन्धित मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराये जाएं।

उन्होने निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर के फिल्म प्रशिक्षण संस्थान से सम्पर्क कर उनकी शाखा के रूप में फिल्म प्रशिक्षण केन्द्र उत्तराखंड राज्य में खोला जाए। उन्होंने कहा कि पर्वतीय एवं सीमान्त क्षेत्रों में मोबाइल थिएटर के लिए सब्सिडी देने की योजना बनाई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तराखंड राज्य की बोली भाषा पर आधारित किसी फिल्म का चयन यदि राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर के फिल्म फेस्टिवल के लिए होता है तो प्रोत्साहन के लिए विशेष सब्सिडी योजना बनाई जाए। विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार ने उत्तराखंड के विश्वविद्यालयों में फिल्म एवं फिल्म निर्माण की विधा से सम्बन्धित कोर्स भी प्रारम्भ करने के लिए निर्देश दिये तथा सीएम हेल्पलाइन से सम्बन्धित विभागीय प्रकरण को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिये।

उन्होने कहा कि हल्द्वानी मीडिया सेन्टर निर्माण हेतु भूमि चयन एवं आगणन हेतु प्रस्ताव तैयार कर लिया जाए। उन्होने कहा कि ई-ऑफिस के रूप में विभाग का ढ़ाचा और अधिकांश सुविधाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया जाए।बैठक में महानिदेशक सूचना रणवीर सिंह चौहान ने कहा कि वेबसाईट व अन्य माध्यम से नई प्रेस मान्यता नियमावली निर्माण के लिए आम सुझाव लिया जा रहा है। इसी प्रकार नई फिल्म नीति बनने के पूर्व सम्बन्धित स्टेक होल्डर से सुझाव लिया जायेगा। उन्होने कहा कि पत्रकार कल्याण कोष के सम्बन्ध में शीघ्र ही मुख्यमंत्री के साथ बैठक प्रस्तावित है।इस अवसर पर अपर निदेशक डॉ॰ अनिल चन्दोला, संयुक्त निदेशक आशीष त्रिपाठी एवं के॰एस॰ चौहान, उपनिदेशक मनोज श्रीवास्तव, अनुसचिव रजनीश जैन मौजूद थे।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

नए खनिजों की खोज के प्रयास में उत्तराखंड अव्वल,अमित शाह ने पैट्रिक को सौंपी उत्तराखंड के लिए 20 लाख की प्रोत्साहन राशि

एस.एल पैट्रिक, निदेशक, खनन विभाग, उत्तराखंड

बृजेश संत, आईएएस , महानिदेशक,खनन विभाग,उत्तराखंड

डॉ.पंकज पांडेय,आईएएस , सचिव , खनन विभाग , उत्तराखंड

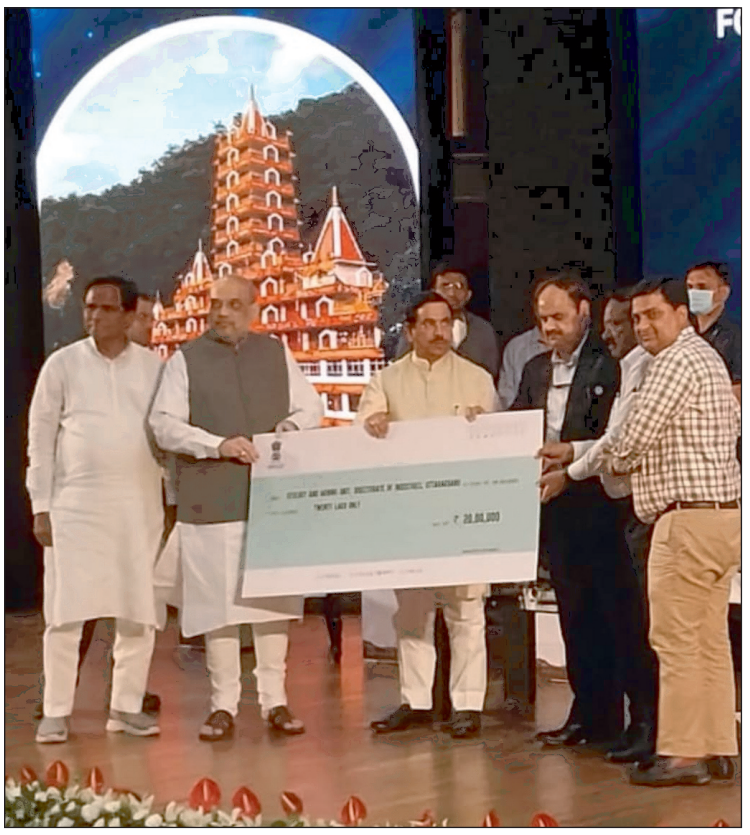

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तराखंड को नए खनिजो की खोज एवं नीलामी कराने हेतु खान मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रोत्साहन करने हेतु बीस लाख रुपया का चेक उत्तराखंड के खनन विभाग के निदेशक एस॰एल॰पैट्रिक एवं अपर निदेशक खनन विभाग राजपाल लेघा द्वारा प्राप्त किया गया ! इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा पिथौरागढ़ जनपद के तहसील गंगोलीहाट के ग्राम गनकोट आदि में 9 वर्ग किलोमीटर एरिया में लाइम्स्टोन एवं मेगनेसाइट का एक लॉट का नीलामी कराने हेतु प्रदान किया गया !छठा राष्ट्रीय खान और खनिज सम्मेलन का आयोजन 12 जुलाई को डॉक्टर अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र नई दिल्ली में आयोजित किया गया ! समारोह के मुख्य अतिथि अमित साह गृहमंत्री, भारत सरकार थे ! समारोह में प्रह्लाद जोशी, (खान,कोयला एवं संसदीय मंत्री), डॉक्टर राव साहिबपाटिल दानवे (खान, कोयला एवं रेलवे राज्यमंत्री भारत सरकार),खान सचिव आलोक टंडन , अपर सचिव खान संजय लोहिया सहित विभिन प्रदेशों के खनन मंत्री , खनन विभाग के अधिकारी एवं खनन उधोगपति , भारत सरकार के अधिकारी आदि मौजूद थे !

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद को मिला एक अनुभवी सचिव - IAS सचिन कुर्वे ने सम्हाला कार्यभार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बेहद अहम और व्यस्त रहने वाला विभाग है उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद जिसके बेहतरीन प्रबंधन और योजनाओं को तेज़ी से सफल बनाने का ज़िम्मा अब परदेश के काबिल आईएएस अधिकारी सचिन कुर्वे के पास आ गयी है। सचिव पर्यटन व उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सचिन कुर्वे ने कार्यभार संभाल लिया है । यूटीडीबी की ओर से अपर निदेशक विवेक सिंह चौहान ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया।2003 बैच के आईएएस अधिकारी सचिन कुर्वे राज्य में देहरादून समेत कई जिलों में जिलाधिकारी की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। साथ ही सचिव पर्यटन में तैनाती से पूर्व सचिव आबकारी, एमएसएमई एवं ग्राम विकास विभाग जैसे अहम विभागों की जिम्मेदारी भी उन्हें मिल चुकी है। अनुभवी अफसर सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे महाराष्ट्र में डीएम नागपुर मुंबई, सचिव मुख्यमंत्री महाराष्ट्र के साथ ही अन्य पदों पर भी कार्य कर चुके हैं।

मेडिकल कॉलेज में फाइबर ऑप्टिक ब्रोंकोस्कॉपी की शुरुआत लंग कैंसर के मरीजों को राहत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,12 जुलाई। राजकीय दून मेडिकल कॉलेज देहरादून में फाइबर ऑप्टिक ब्रोंकोस्कॉपी की शुरुआत हुई Doctor Anurag Agrawal professor And HOD TB Chest ने बताया मशीन द्वार लंग कैंसर एंड Non रिजॉल्विंग निमोनिया, हिमोप्तिसिस एवं lung फॉरेन बॉडी रिमूवल में अत्यंत मदद मिलेगी

प्राचार्य प्रोफेसर डॉ आशुतोष सयाना ने बताया की टीवी चेस्ट विभाग में पीजी पाठ्यक्रम भी इस साल से शुरू करने के लिए एन. एम. सी. में आवेदन किया गया है उसी के क्रम में विभाग में मशीनों का और टेस्ट का नया नया संचालन शुरू किया जा रहा है उन्होंने बताया इस नई ब्रोंकोस्कॉपी मशीन से गंभीर प्रकार के कैंसर की अर्ली डायग्नोसिस, गंभीर निमोनिया को ठीक करने में एवं कोई भी ऐसा कारण जिससे सांसो के रास्ते से खून आता है उसका कारण पता करने में काफी मदद मिलेगी और इससे जिस जिस चीज के लिए तृतीय स्तर सुविधाओं के लिए मरीज रेफर होकर राज की दून मेडिकल कॉलेज आते हैं उनको बहुत ही कम खर्चे में इस नई मशीन के द्वारा स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की सुविधाओं मिलना शुरू हो जाएंगे

देहरादून में झमाझम बारिश, यमुनोत्री के राना गांव में घुसा पानी, तीन राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 212 सड़कें बंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

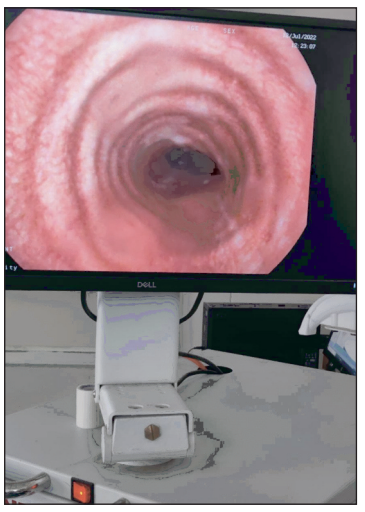

उत्तराखंड में मंगलवार को मौसम ने फिर करवट बदली। दोपहर को देहरादून में झमाझम बारिश हुई। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार, सभी जिलों में गरज के साथ बारिश की संभावना है। खासकर देहरादून, पौड़ी, चंपावत, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर जिलों में आंधी के साथ तेज बारिश हो सकती है। वहीं, प्रदेशभर में आज सुबह से ही बादल छाए हैं। मसूरी में घने बादल के साथ ही कोहरा भी छाया हुआ है।

प्रदेश में मंगलवार को पर्वतीय क्षेत्रों में हुई भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। भूस्खलन और भारी मात्रा में मलबा आने के कारण तीन राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 212 सड़कें बंद हो गईं। रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ में दो पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके अलावा कई जगह बिजली-पानी की लाइनों को भी नुकसान पहुंचा है। इससे लोगों को दिक्कतों का सामाना करना पड़ रहा है।

लोनिवि की ओर से मंगलवार शाम पांच बजे जारी बुलेटिन के अनुसार, प्रदेश में 14 स्टेट हाईवे, 10 मुख्य जिला मार्ग, छह अन्य जिला मार्ग, 79 ग्रामीण सड़कें और पीएमजीएसवाई की 100 सड़कें भूस्खलन और भारी मात्रा में मलबा आने से बंद हैं। मंगलवार को 66 सड़कों को ही खोला जा सका। जबकि 89 सड़कें बंद हुईं। इसके अलावा एक दिन पहले से 125 सड़कें बंद थीं। इस तरह से कुल 212 सड़कों को खोलने की कार्रवाई की जा रही है। इनमें 235 जेशीबी मशीनों को काम पर लगाया गया है।

वहीं, सचिवालय स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, रुद्रप्रयाग में उत्तरकाशी-टिहरी-घनसाली-मयाली-तिलवाड़ा मोटर मार्ग पर स्थित 21 मीटर स्पान का स्टील गार्डर पुल क्षतिग्रस्त हुआ है। यातायात को सुचारू करने के लिए वैली ब्रिज को बनाने की कार्रवाई की जा रही है।

पिथौरागढ़ जिले में क्वीटी-बिर्थी - मुनस्यारी मोटर मार्ग पर भी एक पुल क्षतिग्रस्त हुआ है। बीआरओ की वैकल्पिक व्यवस्था के तहत यातायात को डायर्वट किया गया है। जिले में कई जगह अतिवृष्टि से बिजली और पेयजल लाइनों को भी नुकसान पहुंचा है।

ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर भूस्खलन प्रभावित जोन सिरोहबगड़ अति संवेदनशील हो गया है। यहां हल्की बारिश में भी पहाड़ी से मलबे के साथ पत्थर भी गिर रहे हैं। मंगलवार को हाईवे चार घंटे बंद रहा। उधर, मयाली-चिरबटिया-घनसाली राज्य मोटर मार्ग बुरांशकांठा में सातवें दिन भी अवरुद्ध रहा। जिले में तिलवाड़ा-सौंराखाल संपर्क मोटर मार्ग भी बंद है।

आजादी के अमृत महोत्सव पर उत्तराखंड पुलिस को मिलेंगे नये आधुनिकीकरण समाधान

दूसरे पुलिस हैकाथॉन में 1000 से अधिक प्रतिभागी एवं देश के हर राज्य से 500 टीमों द्वारा पंजीकरण

पंजीकरण की अंतिम तिथि 22.07.2022

- PRIZE MONEY - 6 LAKH RUPEES
- SEED MONEY - 1 CRORE RUPEES

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वर्तमान में साइबर अपराधों में काफी तेजी से वृद्धि हो रही है। जिसमे विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध देशों के कोने कोने से सामने आ रहे है । साइबर अपराध बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कारण दिन प्रतिदिन विभिन्न प्रकार की तकनीक की उन्नति भी है। इस कारण यह भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि पुलिस भी अपने संसाधनों में अधिक से अधिक तकनीकी सुधार करने का प्रयत्न कर रही है । जिसका उद्देश्य 21वीं सदी में साइबर अपराध की चुनौती पर एकजुट होकर इससे मुकाबला करने के लिये अपना कौशल विकास को और बेहतर बनाना है। जिसके रजिस्ट्रेशन कराने की आखिरी तिथि 22.07.2022 है।

इसी क्रम में पुलिस को साइबर अपराध से निपटने हेतु नये-नये टूल्स की आवश्यकता है। विगत वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर Hackathon प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसकी गृह मंत्रालय भारत सरकार व विभिन्न राज्यों द्वारा सराहना की गयी।

विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी माह अगस्त में Hackathon प्रतियोगिता की द्वितीय श्रृंखला का आयोजन कराया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान IIT ROORKEE के साथ मिलकर IIT ROORKEE में आयोजित करायी जायेगी। उक्त प्रतियोगिता में महिन्द्रा कम्पनी (TECH MAHINDRA & MAHINDRA DEFENCE) द्वारा उत्तराखंड पुलिस का सहयोग INNOVATION PARTNER TECHNOLOGY INNOVATION HUB (TIH) द्वारा किया जायेगा। जिसके SPONSOR-SYSTOOLS, NET FOR CHOICE, SAS, FORENSIC GURU आदि सामने आ चुके हैं। जिनके द्वारा प्रतिभागियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी। महिन्द्रा कम्पनी उत्तराखंड पुलिस औद्योगिक भागीदार के रूप में शामिल हो रहा है। बहुत जल्द भारत की अन्य बड़ी IT कंपनियों के साथ प्रतियोगिता हेतु साझेदारी स्थापित की जायेगी एवं इस वर्ष उक्त प्रतियोगिता को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कराने हेतु प्रयासरत है।

ये प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित करायी जायेगी। जिसमें प्रतियोगी के द्वारा अधिकारिक वैबसाईट https://iitr.ac.in/dch/ के माध्यम से पंजीकरण कराया जा सकता है। जिसका प्रथम चरण माह जुलाई में प्रारम्भ होकर माह जुलाई के अंत में समाप्त होगा, तथा माह जुलाई अन्त में ही प्रारंभिक चरण का परिणाम घोषित किया जायेगा। घोषित परिणामों में सफल प्रतिभागी टीमों को द्वितीय चरण हेतु IIT ROORKEE में 48 घंटे पुलिस की विभिन्न तकनीकी समस्याओं का हल निकालना होगा। पुलिस की जटिल समस्याओं को कम करने हेतु सबसे अच्छी व प्रभावी रूप से चयनित प्रतिभागी टीमों को भारत की आजादी के अमृत महोत्सव पर उनके उत्साहवर्धन हेतु महिन्द्रा कम्पनी द्वारा सीधे पुरस्कृत किया जायेगा।

प्रभारी एसटीएफ द्वारा बताया गया कि इस सम्पूर्ण प्रक्रिया से एक स्मार्ट पुलिस की तरफ बढ़ते हुए विभिन्न पहलुओं पर जटिल समस्याओं से निपटने हेतु नये-नये समाधानों का एक मार्ग स्थापित होगा। जो कि स्मार्ट पुलिसिंग की और उत्तराखंड पुलिस का एक और अहम योगदान होगा।

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति से जानिए अच्छी नींद की टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्या आप नींद न आने से परेशान हैं ? क्या देर रात तक आपको नींद लाने के लिए जूझना पड़ता है ? अगर ऐसा है तो दो मंत इस खबर को भी पढ़ लीजिये , हो सकता है आपकी समस्या का समाधान मिल जाये। दरअसल दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने अच्छी नींद लेने का नुस्खा बताया है... ट्विटर पर हमेशा सक्रिय रहने वाले मस्क इन दिनों सामाजिक मुद्दों पर भी खूब बोल रहे है...

हालांकि, इस बार उन्होंने लोगों को अच्छी नींद लेने के लिए कुछ टिप्स दिए है... ट्वीट कर एलन मस्क ने इसे साझा किया है... एलन के मुताबिक सोते वक़्त आपकी तकिया 3 से 5 सेमी ऊंची रहनी चाहिए , उन्होंने कहा कि अपने बेड के हेड को 3 से 5 सेमी ऊंचा रखें और सोने से 3 घंटे पहले तक कुछ न खाएं... बढ़ती जनसंख्या को लेकर एलन मस्क का मत दुनिया से अलग माना गया है. वह अधिक बच्चों को जन्म देने के लिए अक्सर वकालत करते नजर आते है. फ़िलहाल मस्क भी कुल 9 बच्चे के पिता है. हाल ही में वह जुड़वां बच्चों के पिता बने है. एलन के जुड़वां बच्चों की मां शिवोन जिलिस इसी कंपनी में डायरेक्टर के पद पर कार्यरत हैं...

आपको या आपके बच्चे को भी नाखून चबाने की आदत है, ये टिप्स जरूर अपनाए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इस आदत से हमारी सेहत पर काफी असर पड़ता है। हमारे नाखूनों में गंदगी जमा होती है. बच्चे, बड़े जब मुंह में नाखून काटते हैं तो कीटाणुओं का पेट में जाने का डर बना रहता है। जिससे स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है. क्या आपको इसके पीछे का कारण पता है कि हम नाखून क्यों खाते हैं. इसका हमारे शरीर पर कैसे प्रभाव पड़ता है. इससे हम छुटकारा कैसे पा सकते हैं.

दरअसल, 40% लोगों को नाखून चबाने की आदत पाए गए है और देखा गया है कि बच्चों में नाखून चबाने की गंदी आदत होती है. हालांकि बच्चों को समझ ना होने से ये आदत देखी गए है। अक्सर ऐसा भी देखा गया है किसी से बात करते वक्त. पढ़ते वक्त. टीवी देखते समय हम नाखून चबाते हैं. यानी जब हमारा ध्यान कहीं और होता है या हम गहरी सोच में गये होते है। तब हम अपने आप नाख़ून चबाने लग जाते है।

अगर आपको नाख़ून खाने की आदत लग गए है या आपके बच्चे को ये बुरी आदत लग गए है और आप उसकी ये बुरी आदत सुधारना चाहते हो तो ये उपाए जरूर अपनाए, बच्चों को नाखून चबाने से रोकने के लिए आप किसी कड़वी चीज का इस्तेमाल कर सकते हैं. जैसे करेले के रस को बच्चों के नाखूनों पर लगाने से वो मुंह में डालने से पहले सोचेंगे.इससे भी अगर काम नहीं बन पाए उनको प्यार से समझाए और दिखाएं जो नाख़ून खाता हे उसके साथ कीहा होता है। इन तस्वीरों के माध्यम से आप उनको दिखा सकते है की नाख़ून खाने से ऐसे भी इन्फेक्शन हो सकते है।

संपादकीय

प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि प्राकृतिक कृषि से बहुत बड़ी संख्या में लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ लोगों की रक्षा भी होती है क्योंकि इस पद्धति में जानलेवा रसायनों एवं कीटनाशकों का उपयोग नहीं होता है. प्राकृतिक तरीके से खेती को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए उन्होंने रेखांकित किया कि यह आर्थिक सफलता का माध्यम भी है. इस विषय पर गुजरात के सूरत में आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने 'सूरत मॉडल' से सीख लेने को कहा. वहां हर पंचायत से 75 किसानों को इस पद्धति से खेती करने के लिए चुना गया है. वर्तमान में 550 से अधिक पंचायतों के 40 हजार से ज्यादा किसान प्राकृतिक कृषि को अपना चुके हैं. इस पद्धति के तहत किसी तरह के रसायन का उपयोग नहीं होता है और परंपरागत तरीके से खेती की जाती है. दो वर्ष पहले नीति आयोग की अगुवाई में भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति कार्यक्रम की शुरुआत की गयी थी. इसे केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित किया जाता है. गुजरात के अलावा इसे आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और केरल में भी कई क्षेत्रों में अपनाया गया है. अन्य कुछ राज्य भी इस प्रक्रिया में भागीदारी कर रहे हैं. यह स्थापित तथ्य है कि पैदावार बढ़ाने के लिए रसायनों के बेतहाशा इस्तेमाल से खाद्य प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है, जिसके कारण कैंसर जैसी भयावह बीमारियां महामारी बनती जा रही हैं. व्यावसायिक फसलों का चलन बढ़ने से पानी की खपत भी बढ़ रही है. भूजल के अनियंत्रित दोहन ने जल संकट एक बड़ी समस्या बन चुका है. अत्यधिक मात्रा में कीटनाशकों, खादों और संकर बीजों तथा पानी के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी क्षीण हो रही है. जलवायु परिवर्तन और धरती का बढ़ता तापमान भी पैदावार पर नकारात्मक असर डाल रहे हैं. आज भले ही भारत खाद्य पदार्थों के मामले में आत्मनिर्भर हो, लेकिन अगर इन समस्याओं का समाधान नहीं निकाला जायेगा, तो भविष्य में हमारी खाद्य सुरक्षा कमजोर हो सकती है. हमारे देश की भौगोलिक विविधता के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों में मिट्टी और मौसम की विविधता भी है. इस कारण खेती के परंपरागत तरीकों में भी विभिन्नता है. ऐसे में परंपरागत खेती यानी प्रकृति के अनुकूल खेती से हम मिट्टी, पानी, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को संरक्षित कर सकेंगे तथा इस कार्य में हमारे कृषि अनुसंधानकर्ता और तकनीक विशेषज्ञ मददगार हो सकते हैं. इसके व्यापक प्रसार के लिए अब तक के अनुभवों को किसानों तक ले जाने की आवश्यकता है. प्रधानमंत्री मोदी ने इस सराहनीय पहल का उल्लेख किया है कि गंगा नदी की सफाई के लिए चल रहे नमामि गंगे कार्यक्रम के साथ प्राकृतिक खेती को भी जोड़ा गया है. इसके तहत नदी के दोनों किनारे प्राकृतिक खेती के लिए पांच किलोमीटर का गलियारा बनाया जा रहा है. केंद्र और राज्य सरकारों के स्तर पर परंपरागत खेती को बढ़ावा देने के लिए अधिक सक्रियता की आवश्यकता है.

चेतावनी : ये Apps अगर आपके फोन में है तो तुरंत डिलीट करें, गूगल प्ले स्टोर ने भी लगाया फ्रॉड का ठप्पा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोकर मैलवेयर प्ले अगर आप इस नाम को सुन चुके हो तो फिर से सावधान हो जाओ क्यों की ये फिर से प्ले स्टोर पर आ गया है। ये एक बार 2017 में आया था और एंड्रॉयड यूजर्स के फोन को हाईजैक करने के लिए साइबर अपराधियों की सबसे लोकप्रिय पसंद बन गया था। कुछ मैलवेयर-लोडेड ऐप्स ने पर अपनी जगह बना ली है और कई लोगों ने उन्हें खतरनाक समझे बिना डाउनलोड कर लिया है। इन्हीं में से एक है जोकर मालवेयर, जो एंड्रॉयड यूजर्स के लिए लगातार खतरा है। इन चार Apps से रहे सावधान तुरंत हटा दीजिए अपने फ़ोन से :स्मार्ट एसएमएस मैसेजब्लड प्रेशर मॉनिटर वॉयस लैंग्वेज ट्रांसलेटर क्विक टेक्स्ट एसएमएस

साइबर सुरक्षा रिसर्चर ने बार-बार जोकर मैलवेयर के बारे में चेतावनी दी है, एक स्पाइवेयर ट्रोजन जो हैकर्स को पीड़ितों के फोन पर आक्रमण करने और खतरनाक मैलवेयर स्थापित करने की अनुमति देता है। जैसे ही मैलवेयर वापस आ गया, इसे अंततः कुछ Google Play Store ऐप्स पर देखा गया। साइबर सिक्योरिटी रिसर्च फर्म प्रेडियो ने इस जोकर मैलवेयर को Google Play Store पर चार ऐप में खोजा, स्मार्ट एसएमएस मैसेज, ब्लड प्रेशर मॉनिटर, वॉयस लैंग्वेज ट्रांसलेटर, और क्विक टेक्स्ट एसएमएस-एक सैम मोबाइल रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है।

ये काफी खतरनाक ऐप्स है, ये आपकी सारी जानकारी ले सकता है। वे वन-टाइम पासवर्ड और सुरक्षा कोड को भी इंटरसेप्ट कर सकते हैं, नोटिफिकेशन पढ़ सकते हैं, बिना कोई निशान छोड़े स्क्रीनशॉट ले सकते हैं, एसएमएस मेसेज भेज और पढ़ सकते हैं और यहां तक कि कॉल भी कर सकते हैं। यह मैलवेयर आपके डिवाइस पर लगभग सब कुछ करने में सक्षम है।सभी Android यूजर को अपनी डाउनलोड की गई एप्लीकेशन लिस्ट पर नज़र रखनी चाहिए। यदि उनके पास इनमें से कोई भी ऐप है, तो रिसर्चर का सुझाव है कि इन्हें अभी अनइंस्टॉल कर दिया जाना चाहिए, क्योंकि ये ऐप हैकर्स के लिए एंड्रॉयड स्मार्टफोन या अन्य डिवाइस को संक्रमित करने के लिए सभी द्वार खोल सकते हैं।

धनगढ़ी नाले में बही स्कूल जा रहे शिक्षकों की कार, बाल-बाल बची जान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

स्कूल जा रहे शिक्षक-शिक्षिकाओं की कार मंगलवार की सुबह धनगढ़ी नाले में बह गई। अन्य वाहनों में सवार लोगों ने उन्हें बचा लिया लेकिन कार तेज बहाव में काफी दूर तक बहती चली गई। इस दौरान वहां यातायात अवरुद्ध रहा। बहाव कम होने पर जिसे सुचारु किया गया।

रामनगर कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने बताया कि नेशनल हाईवे 309 (रामनगर-मोहान मार्ग) पर धनगढ़ी नाला मंगलवार सुबह सात बजे उफान पर आ गया। इसी दौरान मारुति कार यूके-19-ए-3215 में सवार सुरेश चंद्र जोशी निवासी दुर्गापुरी रामनगर, देवकी रावत निवासी कोटद्वार रोड रामनगर, विमला शर्मा निवासी टेड़ा रोड रामनगर और आयुषी ग्रोवर निवासी गिरिताल (काशीपुर) कार सहित बह गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बचा लिया। हालांकि, कार काफी दूर तक बहती चली गई। कार सुरेश जोशी चला रहे थे।

शिक्षिका देवकी रावत और विमला शर्मा प्राथमिक स्कूल रिक्वासी में तैनात हैं। इस हादसे के चलते वे स्कूल नहीं पहुंच सकीं और स्कूल बंद रहा। शिक्षिका आयुषी ग्रोवर और सुरेश चंद्र राजकीय प्राथमिक विद्यालय दयोना में तैनात हैं। वहां अन्य शिक्षक ने स्कूल खोला।

देहरादून, उत्तरकाशी, नैनीताल, बागेश्वर, पिथौरागढ़ में 24 घंटे में भारी बारिश के आसार है। भारी बारिश को देखते हुए मौसम विज्ञानियों ने येलो अलर्ट भी जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि पांच जिलों में बारिश को देखते हुए आपदा प्रबंधन के लिहाज से सतर्क रहना होगा। उधर, अगले 24 घंटे में दून के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है।

भारी बारिश को देखते हुए डीएम डॉ. आर राजेश कुमार ने आपदा प्रबंधन से जुड़े अफसरों को अलर्ट रहने के आदेश दिए हैं। उन्होंने एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहेंगे, ताकि किसी भी प्रकार की आपदा की स्थिति में तत्काल राहत अभियान शुरू किया जा सके। कहा कि यदि आपदा प्रबंधन में किसी भी प्रकार की लापरवाही हुई तो संबंधित विभागों के अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

राष्ट्रपति निर्वाचन हेतु सीलबंद चुनाव सामग्री देहरादून पहुँची (हवाई अड्डे की तस्वीरें)

100 के पार हुआ संक्रमितों का आंकड़ा 372 सक्रिय मरीजों का चल रहा इलाज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में कोरोना फिर रफ्तार पकड़ने लगा है। मंगलवार को प्रदेश में संक्रमितों का आंकड़ा 100 के पार पहुंच गया। बीते 24 घंटे के भीतर प्रदेश में 102 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं, जबकि 52 मरीज ठीक हुए हैं। 372 सक्रिय मरीजों का इलाज चल रहा है। वहीं, एक भी मरीज की मौत नहीं हुई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक मंगलवार को 1758 सैंपलों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। देहरादून जिले में 51, हरिद्वार में 14, नैनीताल में 15, चमोली और पौड़ी में 2-2, पिथौरागढ़ में एक, उत्तरकाशी में सात, टिहरी और ऊधमसिंह नगर में पांच-पांच मरीज सामने आए हैं।

कोविड महामारी के दौरान राजकीय मेडिकल कालेजों और अस्पतालों में आउटसोर्स के माध्यम से रखे गए कर्मचारियों को दोबारा से छह माह के लिए रखा जाएगा। आउटसोर्स कर्मियों को समायोजित करने के लिए सरकार की ओर से गठित मंत्रिमंडल उप समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। शासन ने उप समिति की ओर से लिए गए निर्णय पर कार्रवाई करने को सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

कोविड महामारी में सरकार ने स्वास्थ्य और चिकित्सा विभाग में आउटसोर्स के माध्यम से कर्मचारियों को तैनात किया था। इसमें स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से अस्पतालों में 986 और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने राजकीय मेडिकल कालेजों में 676 कर्मचारियों को तैनात किया था। 31 मार्च 2022 को अनुबंध समाप्त होने पर इन कर्मचारियों को हटा दिया गया। इससे 1662 कर्मचारियों ने सड़कों पर उतर कर आंदोलन किया।

आउटसोर्स कर्मचारियों की मांगों पर सरकार ने मंत्रिमंडल उप समिति गठित की गई थी। इसमें वन मंत्री सुबोध उनियाल और पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा शामिल थे। उप समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि आउटसोर्स कर्मचारियों को छह माह के लिए दोबारा से रखा जाएगा।

यदि किसी कर्मचारी ने एक माह के भीतर कार्यभार ग्रहण नहीं किया तो उन्हें आउटसोर्स आधार पर तैनाती नहीं दी जाएगी। समिति ने 1662 कार्मिकों को आवश्यकता के अनुसार विभागीय ढांचे और संवर्ग का पुनर्गठन में पद सृजित कर दो सप्ताह के भीतर प्रस्ताव शासन को भेजने का निर्णय लिया है।

हरीश रावत दिखाएं बड़ा दिल : हरक सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत ने अब लोकसभा चुनाव लड़ने का राग छेड़ दिया है। उन्होंने हरिद्वार या फिर पौड़ी सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा यदि पार्टी लोकसभा चुनाव लड़ने का अवसर देगी तो वह जरूर चुनाव लड़ेंगे। इसलिए हरीश रावत को भी बड़ा दिल दिखाना चाहिए।

मंगलवार को हरक सिंह रावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह और विधानसभा में कांग्रेस के उपनेता भुवन कापड़ी अचानक भूपतवाला स्थित जयराम आश्रम पहुंचे। यहां पत्रकारों से बातचीत में हरक सिंह रावत ने कहा कि हरीश रावत को बड़ा दिल दिखाना चाहिए। बोले, यह बात मैंने हरीश भाई को भी कही है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले टिकट वितरण के दौरान मैने हरीश रावत को फोन किया था। उनसे कहा था कि जीतने वाले उम्मीदवार को ही टिकट दिया जाए, भले

वह आपका विरोधी क्यों न हो। उन्होंने कहा कि मैने हरीश रावत को यह भी समझाया था कि जब जीतेंगे तभी तो सरकार बनेगी और कोई सीएम बनेगा। हरक सिंह ने हरीश रावत पर आरोप लगाया कि उन्होंने एक नहीं सुनी और पार्टी को हार को मुंह देखना पड़ा।

हरक सिंह ने कहा कि 2009 में ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी का लोकसभा का टिकट फाइनल हो गया था। प्रीतम सिंह उनके पीछे पड़ गए कि हरिद्वार से हरीश रावत को किसी भी तरह टिकट दिलवाओ। इसके बाद हरीश रावत चुनाव लड़े और जीतकर लोकसभा

■ हरक सिंह ने छेड़ा लोकसभा चुनाव लड़ने का राग

पहुंचे। हरक सिंह रावत ने कहा कि लोग उम्र के साथ गंभीरता की उम्मीद करते हैं। इसलिए जब हम बड़ी जिम्मेदारी में हैं तो कहीं न कहीं बड़ा दिल तो दिखाना पड़ेगा।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि देश और जनता के हित के लिए विपक्ष का मजबूत होना जरूरी है। हां, यह बात जरूर है कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पराजित हुई है। कांग्रेस जनता के मुद्दों को सड़क से लेकर सदन तक गंभीरता से ले रही है। कांग्रेस में कहीं कोई गुटबाजी नही हैं, लेकिन जब आपस में बैठते हैं तो राजनीति की बातें होना स्वाभाविक है। इसलिए इनको अन्यथा नहीं लेना चाहिए। इस मौके पर ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी, कांग्रेस प्रदेश महासचिव संजय पालीवाल, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष संजय अग्रवाल, अशोक शर्मा आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि हरिद्वार जनपद में होने जा रहे पंचायत चुनाव में भाजपा सरकार का पूरा असर दिखाई दे रहा है। आरक्षण और परिसीमन में सत्ता का पूरा हस्तक्षेप हो रहा है। कांग्रेस के लोगों की ओर से आपत्तियां दर्ज की गई। लेकिन आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं हुई। जिससे साफ है कि भाजपा सत्ता के बल पर चुनाव जीतना चाहती है। मगर कांग्रेस जनता के साथ मिलकर चुनाव जीतेगी।

अप्रमाणित समाचारों से ही निकाल दिया

पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत ने कहा कि भाजपा ने मुझे सोशल मीडिया में वायरल हुए अप्रमाणित समाचारों के आधार पर ही पार्टी से निकाल दिया था। पार्टी से निकालने से पहले एक भी बार मेरे से पूछा तक नहीं गया। हालांकि, भाजपा में वापसी पर भी वह कोई सीधा जवाब देने से बचते रहे।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी

दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा